ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-6 No. 10 June 2020

षिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय के प्रति ज्ञान एवं अभिवृत्ति का अध्ययन।

खुषबू कुमारी
अतिथि शिक्षिका एस० बी० एस० कॉलेज, बेगुसराय, गृह विज्ञान विभाग, ललित नारायण मिथिला विष्वविद्यालय दरभंगा, बिहार भारत।
Email – khushboo09091991@gmail.com

सरांष
प्रस्तुत शोध पत्र में गृह विज्ञान विषय महत्ता एवं विशेषता के प्रति शिक्षित महिलाओं की ज्ञान तथा अभिवृतियो को दर्शाया गया है। अध्ययन के लिए मगध महिला कॉलेज पटना इलाहाबाद बैंक कैम्पस ऑफ मगध महिला कॉलेज पटना, एस० बी० आई० बैंक पटना तथा पी० एम० सी० एच० पटना बिहार से लिया गया है, जिनका चयन उद्देष्यपूर्ण निर्दषन द्वारा किया गया एवं आकड़ो का संग्रहन साक्षात्कार प्रविधि एवं विश्लेषण प्रतिशत के माध्यम से किया गया है। इस अध्ययन के उत्तरदाताएँ थी शिक्षित महिलाएं जिससे दो बाते अपेक्षित थी, कि गृह विज्ञान विषय के क्षेत्र में उनकी जानकारी का स्तर अत्यंत अच्छा होगा। दूसरा एक यह कि गृह विज्ञान विषय के प्रति उनकी अभिवृति संतोषजनक होगी। लेकिन ऐसा नहीं था, क्योंकि सर्वप्रथम वे इस विषय को केवल नाम से ही जानती थी और उसी के आधार पर आंकलन कर केवल इसे घरेलु विषय समझती थी। इस अध्ययन को व्यापक स्तर पर करने से प्राप्त सुझावों के आधर पर गृह विज्ञान शिक्षा एवं इसके नाम में परिवर्तन लाया जा सकता है जो शिक्षित और अशिक्षित लोगो को अपनी ओर आकर्षित कर सके और अपनी विषय वस्तु से को लाभावित कर सके।

शब्द कुंजी – गृह विज्ञान , शिक्षित महिला, ज्ञान अभिवृतिा।

प्रस्तावना :

गृह विज्ञान विषय शब्द दो शब्दो से मिलकर बना है, गृह और विज्ञान। गृह से तात्पर्य वह स्थान जहाँ परिवार रहता है और विज्ञान से तात्पर्य उस ज्ञान से है, जो वास्तविक सिद्धांतो व नियमों पर आधारित है। दोनो शब्दो को मिलाकर इस प्रकार परिभाषित कर सकते है, **गृह विज्ञान का अर्थ घर व पारिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित तरीके से लागू करना है।** गृह विज्ञान कला भी है और विज्ञान भी। जब हम भोजन में पाये जाने वाले पोषक तत्त्वो के बारे में पढ़ते है, तो यह विज्ञान है, किंतु जब हम इन पोषक तत्त्वों का सही उपयोग करते हुए व्यंजन बनाते हैं, तब यह कला के रूप में रहता है। आमतौर पर लोग समझते है कि गृह विज्ञान घर की देख–रेख और घरेलु समान की साज–संभाल तक ही सीमित है लेकिन उनका ऐसा समझना केवल आंशिक रूप से सत्य है। गृह विज्ञान का क्षेत्र काफी विस्तृत और विविधता भरा है। इस विषय की सीमा **घर** की सीमा से कहीं आगे तक निकल जाता है, और यह केवल खाना बनाने, कपड़े धोने–संभलाने, सिलाई–कढ़ाई करने या घर की सजावट आादि तक सीमित पही रह जाता है। वास्तव में ये न केवल एक ऐसा विषय है जो युवा विद्यार्थियो को शिक्षा प्रदान करती है बल्कि उनको उनके जीवन के दो महत्वपूर्ण लक्ष्यों के लिए तैयार करती है– घर तथा परिवार की देखभाल और अपने जीवन में कैरियर अथवा पेशे के लिए तैयारी।

गृह विज्ञान अपने आप में सम्पूर्ण विषयों को समाहित किए रहता है। इस विषय के अध्ययन के बाद व्यक्ति को सम्पूर्ण विषयों का ज्ञान हो जाता है। यह विषय सम्पूर्ण विषयों का सम्मिश्रण होने के बावजूद इनके प्रमुख पाँच शाखाएँ है जो इस विषय की महत्ता को और भी दशार्ता है जिनमें प्रथम आाहार विज्ञान एवं पोषण द्वितीय वस्त्र विज्ञान एवं परिधान तृतीय गृह सज्जा ण्वं प्रबंध, चतुर्थ बाल मनोविज्ञान तथा अंतीम प्रसार शिक्षा है। ये पांचो शाखओं का हमारे दैनिक जीवन मे काफी महत्व है इसके बिना हमारे जीवन की कल्पना भी नही की जा सकती है । अन पर ही हमारा दैनिक जीवन आधारित है। इन शाखाओं के अलावा भी गृह विज्ञान विषय में अनेको विषयों की जानकारी दी जाती थी जिनमें से कुछ प्रमुख निम्न है– पर्यावण शिक्ष, उपभोक्ता शिक्षा, मातृ कला एवं शिशु कल्याण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक शोध संस्थागत प्रबंध, आर्थिक उद्यमिता इत्यादि।

अनेको विषयो को अपने में समाहित किए हुए होने पर भी इस विषय को आज के आधुनिक समय में इसे

 Copyright © 2020 Authors

अनावश्यक विषय समझा जाने लगा है, साथ ही इस विषय को पढ़ने वाले विद्यार्थियों को हेय की दृष्टि से देखा जा रहा है। सबसे ज्यादा चिंतनिय विषय यह है कि जो व्यक्ति अशिक्षित है यदि वे इस विषय के प्रति गलत अवधारणा रखते हो, तो फिर भी समझा जा सकता है, किंतु वैसे व्यक्ति या महिलाएं जो शिक्षित एवं नौकरी पेशा वाले है यदि वे इस विषय को लेकर ऐसी अवधारणा रखते हो, तो यह एक अशोभनिय एवं चिंताजनक बात हैं, क्योंकि इसके वजह से इस विषय की महत्ता कम होती जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षो में इस विषय के प्रति विद्यार्थियों में काफी रूचि देखने को मिली थी, किंतु वर्तमान समय में गृह विज्ञान विषय सिर्फ घरेलु काम–काजु विषय समझा जाने लगा है जबकि ऐसा नही है आज के समय में गृह विज्ञान विषय हजारो लाखो लोगों की रोजी–रोटी का जरिया बन चुका है। आज भी काफी लोगों के मन में यह धारणा है कि गृह विज्ञान विषय सिर्फ लड़कियों के लिए ही है लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है ।

अध्ययन का उद्देश्य :

- यह पता लगाना कि किस स्तर तक षिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय (विभिन्न शाखाओं के संदर्भ में) के प्रति ज्ञान एवं अभिवृति आमतौर पर हैं।
- यह पता लगाना कि किन कारणों से षिक्षित महिलाएँ गृह विज्ञान विषय को हेय दृष्टि से देखती है।
- यह पता लगाना कि षिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय के जानकारियो के कौन–कौन से स्त्रोत आमतौर पर है।
- यह पता लगाना कि गृह विज्ञान विषय से संबंधित जॉब स्कॉप के बारे में षिक्षित महिलाओं को जानकारी है या नही।

संदर्भ स्त्रोत का पुर्नावलोकन :

komal kamal ने **17 नम्बर 2014** में **" होम सांइस में भी बन सकता है शानदार कैरियर "** पर अध्ययन किया। उन्होंने आधुनिक जीवनशैली में होम सांइस के बढ़ते महत्व को अपने अध्ययन के माध्यम से दर्शार्या है। इन्होंने अपने शोध में यह बतलाया है, कि होम सांइस का महत्व हमारे दैनिक जीवन में तो है ही साथ ही इससे शानदार कैरियर भी बनाया जा सकता है। इन्होने अपने इस शोध में होम सांइस से संबंधित अनेको सरकारी एवं गैर सरकारी अवसरो के बारे में बतलाया हैं।

ऋचा मिश्रा 2015 में "नए जमाने का कोर्स" पर अध्ययन में होम सांइस को रोबोटिक सांइस के रूप में प्रस्तुत किया हैं। उन्होंने अपने अध्ययन में बतलाया है कि रोबोटिक सांइस का क्षेत्र काफी तेजी से पॉपुलर हो रहर है। होम सांइस भी एक रोबोटिक सांइस हैं। ये हमारे निजी जिंदगी से लेकर व्यापक जिंदगी से भी संबंधित है। इसके कई ऐसे विषय है जिनसे होम सांइस का रोबोटिक सांइस होना दर्शार्ता हैं, नेचुरल सांइसेस , फिजिकल सांइसेज, एग्रीकल्चर सांइसेज आदि।

ऊपर के संदर्भो को देखने से यह पता चलता है कि शोध तो बहुत हुए है लेकिन " **शिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय के प्रति ज्ञान एवं अभिवृति का अध्ययन "** पर शोध करना आवश्यक है, इसलिए शोधकर्ता ने अपने शोध के लिए इस विषय का ही चयन किया।

शोध प्रविधि :

इस शोध के अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र के लिए उत्तरदाताओं का चयन पटना के मगध महिला कॉलेज से, इलाहाबाद बैंक से, ए०बी०आई० बैंक गाँधी मैदान एवं पी०एम०सी०एच पटना से किया जाएगा। इस शोध के अंतर्गत जिस क्षेत्र में अध्ययन किया जाएगा, वहाँ षिक्षित महिलाओं की संख्या अत्यधिक है, इसलिए निर्दषन के रूप कुछ ही षिक्षित महिलाओं का चयन किया जाएगा। इसके लिए 50 षिक्षित महिला वर्ग को लिया जाएगा। जिनका उम्र 20–40 और 40–55 वर्ष होगा।

इस शोध कार्य के दौरान सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए अध्ययन इकाईयों का चयन उद्देष्यपूर्ण निर्दषन द्वारा किया जाएगा। इसके अंतर्गत साक्षात्कार अनूसुचि का उपयोग किया जाएगा तथा संकलित तथ्यो का विष्लेषण प्रतिषत के आधार पर किया जाएगा।

Copyright © 2020 Authors

परिणाम एवं परिचर्चा :

प्रस्तुत अध्ययन किशोरियों में भोजन एवं पोषण (भोज्य–समूह के संदर्भ में) के उपयोग के स्वरूप का आकलन हेतु किया गया था। इस अध्याय में अध्ययन से प्राप्त आकड़े एवं उनके विश्लेषण का वर्णन है।

तालिका – 1 षिक्षित महिलाओं का गृह विज्ञान विषय के शाखाओं के प्रति ज्ञान एवं अभिवृति (न०=50)

क्र०स०	विभिन्न शाखाएँ	षिक्षित महिलाओं का विभिन्न शाखाओ के प्रति ज्ञान (%)	अभिवृति (%)
1	आहार विज्ञान एवं पोषण	50	55
2	वस्तु विज्ञान एवं परिधान	44	40
3	गृह सज्जा एवं प्रबंध	67	50
4	बाल मनोविज्ञान	29	15
5	प्रसार षिक्षा	15	11

तालिका 1 के अनुसार षिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न शाखाओं की जानकारी एवं उनके अभिवृति में विस्तृत विरोधावास पाया गया। षिक्षित महिलाएँ जो काफी पढ़ी–लिखी है इसके बावजूद वे गृह विज्ञान विषय के विभिन्न शाखाओं से अन्नभिगं है। जो महिलाएं इन शाखाओं से थोड़ा बहुत परिचित थी उनकी अभिवृति इससे संबंधित अच्छी नही थी। उनके दृष्टि में ये विषय एक मात्र कुशल गृहिणी बनने योग्य हैं और उनका मानना था कि कुशल गृहिणी बनने हेतु किसी विषय को पढ़ने की आवश्यकता नही हैं। जो महिलाएं शिक्षित है यदि उनका विचार इस विषय को लेकर ऐसा है तो अशिक्षित महिलाओं से क्या उपेक्षा रखी जा सकती है, सच में यह एक चिंता का विषय है।

तालिका – 2 षिक्षित महिलाओं द्वारा गृह विज्ञान विषय को हेय की दृष्टि से देखने के कारण (न०=50)

क्र०स०	विषय को हेय दृष्टि से देखने के कारण	उत्तरदाताओं का उत्तर (%) में
1,	केवल व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना	90
2,	विषय का सरल समझना	92
3,	विषय से प्राप्त ज्ञान को अनावश्यक मानना	96
4,	अरूचिकर विषय	80
5,	केवल खाना पकाऊ विषय मानना	86
6,	विषय नाम का अनाकर्षक होना	90
7,	केवल लड़कियों का विषय समझना	82
8,	जॉब स्कोप में कमी	90

तालिका – 2 के अनुसार शिक्षित महिलाओं में इस विषय को हेय दृष्टि से देखने के कई कारक जिम्मेदार हैं। जिन्हें उचित तो नहीं परंतु अनुचित वर्गो में रखा जा सकता है क्योंकि महिलाएं शिक्षित है और वे शिक्षित होने के बावजूद वे अपनी शिक्षा का सद्पयोग नही कर रही हैं। शिक्षित होकर भी वे नही समझ पा रही है कि विषय कैसा भी ही वह तभी सरल हो सकता है जब उसकी गहण अध्ययन किया जाए। विषय की सरलता विषय के नाम से नही की जा सकती है साथ ही किसी भी विषय से प्राप्त ज्ञान को अनावश्यक समझना वे भी शिक्षित वर्गो से अपेक्षा रखना अशोभनिय है। हाँ अवश्य यह विषय थोड़ा

 Copyright © 2020 Authors

व्यवहारिक है, किंतु पूर्णतः नहीं। पढ़ी–लिखी महिलाओं में यह भी अभाव था कि ये विषय लड़को के लिए नही है इस विषय को लड़के भी पढ़ते है एवं इससे संबंधित अनेको रोजगार तथा स्वरोजगार हैं।

तालिका – 3 शिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय के जानकारियों के स्त्रोत (न०=50)

क्र०स०	जानकारी के विभिन्न सत्रोत	उत्तरदाताओं का उत्तर (%) में
1,	अमानवीय स्त्रोत	
	क, प्रिंट मीडिया	
	अखबार	50
	मैगजीन	44
	बैनर	15
	ख, इलेक्ट्रोनिक मीडिया	
	टी०वी०	41
	सिनेमा	33
	कम्पयूटर (इन्टरनेट)	75
2,	मानवीय स्त्रोत	
	विद्यालय एवं महा विद्यालय प्राप्त ज्ञान	70
	साथी–समूह	42
	प्रदर्शनी	50

तालिका – 3 के अनुसार शिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय से संबंधित विभिन्न जानकारियाँ लगभग सभी स्त्रोतों से मिलती हैं। तालिका से यह स्पष्ट है कि महिलाएं इतने महत्त्वपूर्ण स्त्रोत से लाभान्वित नहीं हो रही थी जो कहीं–न–कहीं उनके ज्ञान एवं अभिवृतियों को प्रभावित करता होगा। जानकारी के विभिन्न स्त्रोतो के होने के बावजूद महिलाएं इस विषय वस्तु में रूचि न लेने के कारण अधूरी ज्ञान के आधार पर ही इस विषय–वस्तु का आंकलन करती हैं, जो शिक्षित महिलाओं को शोभा नही देता हैं।

तालिका – 4 शिक्षित महिलाओं में गृह विज्ञान विषय से संबंधित विभिन्न जॉब स्कॉप की जानकारियां(न०=50)

क्र०स०	विभिन्न जॉब स्कॉप	उत्तरदाताओं का उत्तर (%) में
1	फूड प्रोसेसिंग कम्पनी मे	37
2	डाइट कंसल्टेटस	40
3	हॉस्पिटल और फूड सेक्टर में न्यूट्रिशनिस्ट	45
4	डाइटिशियन	50
5	रिसर्च और टीचिंग सेक्टर में	57
6	फैमिली काउंसलर	37
7	फूड, बेंकिग और कंफेक्शनरी के क्षेत्र में स्वरोजगार	66
8	अपैरल इंडस्ट्री में प्रोडक्शन मैनेजर	30
9	फैशन डिजाइनिंग	47
10	इंटीरियर डिजाइनिंग	55

 Copyright © 2020 Authors

11	ट्रिस्ट रिसोर्ट	22
12	रिसोर्स मैनेजमेंट	20
13	सोशल वर्क	55
14	शैक्षणिक और कामकाजी संस्थानों में कैटरिंग सुविधा देना	70

तलिका 4 के अनुसार शिक्षित महिला पढ़ी–लिखी तो थी परंतु दिशा विहीन प्रतीत हो रही थी क्योंकि उन्हें गृह विज्ञान विषय को केवल खाना बनाने देखा है उन्हे इनसे संबंधित जॉब स्कॉप की जानकारी की काफी कमी पाई गई। कुछ ने तो आश्चर्य व्यक्ति किया कि ये विषय अपने अंदर इतने सारे स्कॉप को समाहित कर रखा है।

निष्कर्ष –

- दो अक्षरो से बना शब्द **गृह** का क्षेत्र अत्यंत विशाल है। जिसका संबंध हम सभी के जीवन से है। प्रत्येक व्यक्ति इस शब्द से परिचित है तथा घनिष्ठा से संबंधित है। इसे सुव्यवस्थित एवं योजनागत तरीके से संचालित करना ही **विज्ञान** है। इन दोनो के संयोग से ही गृह विज्ञान का निर्माण हुआ है। गृह विज्ञान विषय अनेको विषयो का सम्मिश्रण है जो हमें अनेको प्रकार के ज्ञान से अवगत कराती है। शिक्षित महिलाएं जिनसे ये अपेक्षा करना की उनकी जानकारी का स्तर अच्छा होगा तथा उनकी अभिवृति भी इस विषय को लेकर उचित होगी लाजमी था परंतु यहाँ आश्चर्यजनक तथ्य यह था कि न तो उनमें ज्ञान का स्तर उतना अच्छा था और न ही उनमें अभिवृति का स्तर उच्च था।
- शिक्षित महिलाओं द्वारा गृह विज्ञान विषय को हेय दृष्टि से देखने के अनेको कारण थे जो अनुचित थे। निराशाजनक तथ्य यह था कि शिक्षित होकर भी वे इन अनुचित कारको की वजह से इस विषय को हेय दृष्टि से देखते है।
- किसी विषय से संबंधित जानकारी एवं उनके प्रति अभिवृति में गहरा संबंध होता है। जानकारी के कई स्त्रोत हो सकते है। हर स्त्रोतो की अपनी लाभ एवं सीमाएं होती है। ऐसा पाया गया कि वे विभिन्न स्त्रोतो के लाभ से भी वंचित रह रही थी।
- अध्ययन का सबसे आश्चर्यजनक और अवश्य ही असंतोषजनक परिणाम था कि सभी महिलाएं शिक्षित होने के बावजूद वे इस विषय के नाम से प्रभावित होकर इसे केवल घरेलु और खाना पकाऊ विषय मानती थी।

प्रस्तुत शोध अत्यंत छोटे स्तर पर किया गया है। स्तर को ओर वृहद करने से एक बड़े वर्ग से जानकारी मिलने पर आगे का कदम उठाना और सरल हो पाएगा। शिक्षित एवं अशिक्षित महिलाओं में तुलनात्मक अध्ययन से कई ओर नए विचार सामने आएँगे जो गृह विज्ञान विषय में सुधार लाने में अत्यंत लाभकारी सिद्व होंगे।

संदर्भ – सूची :

पुस्तकः

- स्नेहलता डॉ०, कुमारी विमलेश डॉ० ***गृह विज्ञान***।
- मिश्रा के० एम०, शर्मा रमा, ***गृह विज्ञान शिक्षण***।
- नेशनल फैमिली स्वास्थ्य सर्वे (NFHS), (2006), ***अंतराष्टीय संस्थान,*** जनसंख्या विज्ञान, मुम्बई।

बेबसाइटः

www.amarujala.com
www.hindi.webdunia.com
www.m.aajtak.in
www.live.hindustan.com

Copyright © 2020 Authors